संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

स्थापित: 1978
RNI Regn.No.- 54447/78 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 39 अंक 33 हल्द्वानी सम्वत् 2080 सोमवार 22 जनवरी 2024
एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

उत्तराखण्ड आस्था के सैलाब से तर

गंगा कॉरिडोर का मास्टर प्लान

राम मन्दिर प्राण प्रतिष्ठा के बीच तय हुआ है कि हरिद्वार और ऋषिकेश को संवारने के लिये अयोध्या में विकास कार्य सम्भालने वाली कम्पनी गंगा कॉरिडोर का मास्टर प्लान बनाएगी। धार्मिक महत्व के शहर हरिद्वार और ऋषिकेश को प्रमुख तीर्थाटनों के तहत विकास के लिये प्रदेश सरकार ने 250 करोड़ रुपये की पुनर्विकास परियोजना को गंगा कारिडोर नाम दिया है।

अल्मोड़ा में महिला रामलीला का मंचन

अयोध्या उत्सव के दौरान अल्मोड़ा में भुवनेश्वर महादेव मन्दिर एवं रामलीला समिति कर्नाटकखोला द्वारा महिला रामलीला का मंचन किया गया। इस एक दिवसीय रामलीला का आयोजन पूर्व दर्जा मंत्री बिट्टू कर्नाटक के कैम्प कार्यालय में किया गया।

बागेश्वर में लेजर शो

बागेश्वर उत्तरायणी मेले के दौरान सरयू नदी व भगवान राम के पौराणिक सम्बन्ध की जानकारी लेजर शो के माध्यम से दी गई। सरयू के महात्मय की जानकारी देते हुए उम्मीद जताई जा रही है कि इससे पर्यटन को महत्व मिल सकेगा।

पिघलता हिमालय प्रतिनिधि

अयोध्या में राममन्दिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर देशभर में जिस प्रकार की उमंग दिखाई दे रही है, उत्तराखण्ड में भी कम नहीं है। उत्तराखण्ड आस्था के सैलाब से तर है। पूरी सरकार और भाजपा सहित इससे जुड़े संगठनों ने पूरी ताकत कई दिन पहले से लगाते हुए चारों ओर माहौल बना रखा है। अन्य दल, संगठन, संस्थाएं भी अपने-अपने तरीके से इस अवसर पर नई शुरुआत कर रही हैं। प्रदेश में मकर संक्रान्ति के दिन से सांस्कृति उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। संस्कृति, धर्मस्व, तीर्थाटन प्रबन्धन एवं धार्मिक मेला अनुभाग की ओर से जारी आदेश के तहत गाँव स्तर तक आयोजनों को तय कर रखा है। इसमें सामाजिक सांस्कृतिक संगठनों सहित मंगल दलों की भागीदारी दिखाई दे रही है। विद्यालयों व संस्थानों को भी आयोजन से जोड़ा गया है।

देहरादून में आमंत्रित कलाकारों के साथ भजन संध्या सहित कार्यक्रमों की शुरुआत मकर संक्रान्ति से पहले ही कर दी गई। राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने इसमें शामिल होते हुए कलाकारों को सम्मानित किया। संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित 'राम राग एक संध्या राम के नाम' कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट, विधायक खजान दास, सचिव संस्कृति हरीशचन्द्र सेमवाल, महानिदेशक सूचना एवं विद्यालयी शिक्षा बंशीधर तिवारी, निदेश संस्कृति बीना भट्ट आदि उपस्थित थे। इसी प्रकार के आयोजन संस्थाओं ने अपनी ओर से भी कराए। मौका पाकर यूट्यूबर और सोशल मीडिया पर प्रचार के इच्छुक भी राम नाम के भजन-गीत गा रहे हैं।

प्रदेश के राज्यपाल ले.ज.गुरमीत सिंह (सेनि.) का कहना है कि लम्बे इन्तजार के बाद अयोध्या में दिव्य व भव्य रूप में राम मन्दिर दिख रहा है। अयोध्या में दिव्यता और भव्यता का नया आगमन है। ब्रह्माण्ड का आदेश है कि भारत अपनी सभ्यता, संस्कृति के साथ जुड़े।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी कहते हैं कि राममन्दिर की भव्यता के साथ नये युग की शुरुआत हो चुकी है। प्रभु श्रीराम हमारे आदर्श हैं जिनकी सभी लीलाएं मानव जीवन में अनुकरणीय हैं। सच्चिदानन्द स्वरूप होते हुए भी मानव जीवन में हमारे और आपके लिए वे अवतरित हुए, क्योंकि उन्हें समाज को 'अच्छे मनुष्य कनो और अच्छे मनुष्य बनाओ' का सन्देश देना था। केन्द्रीय रक्षाराज्यमंत्री अजय भट्ट का कहना है कि घर-घर दीप जलने का मतलब है कि पूरा देश अन्धेरे को पीछे छोड़ चुका। अयोध्या और राम हमारे पूज्य, आस्था और प्रतीक हैं। अब सब शुभ ही शुभ होगा।

कुल मिलाकर प्रदेश आस्था से तर है लेकिन पूरी भक्ति भावना के आयोजन को लेकर चर्चाओं के साथ राजनीतिक बहसबाजी और वहम भी कम नहीं दिखाई दे रहा।

कारसेवक, सन्याशी अयोध्या रवाना

प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिये उत्तराखण्ड से कारसेवक और साधू-सन्याशी अयोध्या पहुँचे हैं। विहिप ने ट्रेन से जाने वाले कार सेवकों का रजिस्ट्रेशन करवाया। इनमें विहिप, दुर्गा वाहिनी, बजरंग दल कार्यकर्ता शामिल हैं।

अयोध्या के लिये बस सेवा

अयोध्या जाने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए उत्तराखण्ड परिवहन निगम ने देहरादून से अयोध्या के लिये सीधी बस सेवा आरम्भ कर दी है। आइएसबीटी पर विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद बस को रवाना किया गया। यह बस रोजना पूर्वाह्न 11 बजे दून से चलेगी और अगले दिन सुबह साढ़े 5 बजे अयोध्या पहुँचेगी। बस का दून से अयोध्या का किराया 1095 रुपये प्रति यात्री रखा गया है। बस एक तरफ से 754 किमी दूरी तय करेगी। यात्रियों की सुरक्षा के दृष्टिगत बस पर दो चालक नियुक्त किए गए हैं। हल्द्वानी से भी बस सेवा शुरु हो चुकी है।

अपनी-अपनी सुना रहे हैं कारसेवक

राम मन्दिर आन्दोलन में सक्रिय कार सेवक इन दिनों अपनी-अपनी कहानी सुना रहे हैं कि किस प्रकार से वह इसमें शामिल हुए थे और किन अड़चनों का सामना करना पड़ा था।

पुरानी कवरेज को दिखा मुदित हो रहे

राम मन्दिर आन्दोलन के समय जब देश के अन्य स्थानों की तरह उत्तराखण्ड से भी कारसेवक जुटे थे, अखबारों में कवरेज करने वाले पत्रकार बन्धु पुरानी कवरेज की कतरन दिखाकर मुदित हो रहे हैं।

पहले ही जारी हो गया सरकारी आदेश

राम मन्दिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर उत्तराखण्ड में सांस्कृतिक उत्सव का सरकारी आदेश पहले ही हो चुका था। मकर संक्रान्ति से इसकी शुरुआत कर दी गई। इसके लिये बकायदा सभी जिलाधिकारियों को पत्र भेजकर संकेत हो चुका था कि किस प्रकार से तैयारी होनी है। गाँव-गाँव, मठ मन्दिरों में धार्मिक कार्यक्रमों की तैयारी के अनुसार सांस्कृतिक उत्सव मनाया जा रहा है। इसके लिये जन सहभागिता पर पूरा जोर दिया गया है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

मर्यादापुरुषोत्तम हैं भगवान राम : उनकी वजह को बेवजह न बनाएं

'राम' शब्द हो सकता है लेकिन सबके अपने-अपने 'राम' हैं। जिस भगवान की हम बात करते हैं उनमें 'राम' मर्यादापुरुषोत्तम हैं। जिनकी लीला देखकर, गाकर, सुनकर संस्कारों की बात कही जाती है। 'राम' किसी के बीच परहेज नहीं करते हैं, वह अट्टाहस नहीं करते हैं, अधर्म के विरुद्ध खड़े होते हैं, अपनी प्रजा को सुख देने के लिये स्वयं कष्ट भोगते हैं, अपने बुजुर्गों का आदर करते हुए आशीर्वाद लेते हैं, कष्ट में पुकार रहे भक्तों की सुनवाई करते हैं। ऐसे भगवान राम की हर वजह को बेवजह नहीं बनाया जा सकता है।

अयोध्या में राम मन्दिर को लेकी पूरा अध्याय, देश-दुनिया देख रही है। इसके इतिहास और तथ्यों को लेकर अपनी-अपनी ताकत भी व्यक्तियों, पार्टियों, संगठनों ने लगाई है। देश की बागडोर संभाल रही सरकार ने इसे मुख्य सवाल बनाकर जन-जन के बीच पहुँचा दिया, जिससे वह काफी बढ़त बना चुकी है। राम नाम को लेकर जारी पूरे अभियान को २०२४ के लोकसभा चुनाव से जोड़कर भी देखा जा रहा है। सरकार और भाजपा संगठन द्वारा जिस प्रकार से अभियान को अपने पक्ष में किया है, वह विपक्ष को निश्चित ही अखरेगा। राम के नाम पर दर्शन को कोई भी जा सकता है लेकिन एक संगठन विशेष के अभियान होने पर हो सकता है कोई इस समय परहेज करे। इन सारे हालातों को देखते हुए मर्यादापुरुषोत्तम राम का स्मरण करना चाहिये। राम किसी पार्टी, किसी व्यक्ति के नहीं, वह सबके हैं। राम की अराधना करने वालों से लेकर उन्हें पढ़ने-सुनने वाले वर्तमान के अयोध्या काण्ड को लेकर बहुत ही सावधान रहें। वर्तमान समय भारत की राजनीतिक व सामाजिक व्यवस्था को किस ओर ले जाएगा, इसके लिये सभी को जागरुक रहना जरूरी है। पार्टियों के अपने-अपने एजेंडे हो सकते हैं लेकिन समाजिक भाईचारा और देश की दुनिया के सामने मजबूत स्थिति के लिये विचार करना चाहिये। भीड़ बनने, रील बनने, मदमस्त होने से नुकसान ज्यादा हो सकता है इसलिये राम की बात करते समय मर्यादापुरुषोत्तम याद रहें।

देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

गणतंत्र दिवस परेड में अग्निवीर महिला भी

गणतंत्र दिवस परेड में इस बार नौसेना और वायुसेना की महिला अग्निवीर भी हिस्सा लेंगी। कर्तव्य पथ पर ये महिला सैनिक अपनी टुकड़ियों के साथ कदम मिलानी नज़र आएंगी।

बांग्लादेश में फिर से हसीना की सरकार

बांग्लादेश में फिर से शेख हरीना ने आम चुनावों में भारी बहुत हासिल कर सरकार बना ली है। वह लगातार चौथी बार सत्ता संभाल चुकी हैं। चुनाव जीतने के बाद हसीना ने दोहराया कि भारत हमारा मित्र देश है।

पोप के सलाहकार ने पादरियों की बात रखी

ईसाइयों के सबसे बड़े धर्मनेता पोप के वरिष्ठ सलाहकार चार्ल्स साईकलून ने कहा है कि पादरियों को भी विवाह करने की अनुमति देनी चाहिये। धर्म से जुड़े सबसे सम्वेदनशील मामले में सलाहकार ने कहा पादरियों को भी प्रेम हो सकता है। कहा कि ववाह की वजह से चर्च ने कई अच्छे पादरी गंवा दिए।

कनाडा में गुरुद्वारे के बाहर विरोध-प्रदर्शन

कनाडा में अल्बर्टा प्रान्त के पूर्वोत्तर कैलगारी जिले में एक गुरुद्वारे के सामने विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा में दो व्यक्ति घायल हो गये। अधिकारियों ने कहा कि दिन की शुरुआत में दशमेश संस्कृति केन्द्र में हुई इस घटना के बारे में दो बार शिकायत मिली थी।

मरणोपरांत सविता को एडवेंचर अवार्ड

पर्वतारोहण के क्षेत्र में विशेष उपलब्धियां हासिल करने वाली दिवंगत पर्वतारोही सविता कंसवाल को तेनसिंग नोर्गे नेशनल एडवेंचर अवार्ड दिया गया। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने सविता के पिता राधेश्याम कंसवाल को अवार्ड सौंपा। राष्ट्रपति ने 24 चैम्पियनों को अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया।

भूटान में शेरिंग टोबगे की पार्टी सत्ता में लौटी

भूटान के पूर्व प्रधानमंत्री शेरिंग टोबगे की पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) ने संसदीय चुनाव में दो तिहाई बहुमत के साथ जीत हासिल की है। इनकी 5 साल बाद सत्ता में वापसी हुई है।

जनकपुर में राम-सीता कन्वेंशन सेंटर बनेगा

नेपाल के जनकपुर एरिया डेपलपमेंट कार्उसिल ने रामायण सर्किट के तहत पर्यटकों की सुविधाओं हेतु विस्तृत रिपोर्ट तैयार की है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने दौरे में मिथिला संग्रहालय के लिये सौ करोड़ रुपये देने की घोषणा की थी।

फसक

दाज्यू, जब ढोल बजता है डंगरिया नाचने वाले ठैरे

घर-गाँव के द्यप्ताथानों की सुध भी लेनी होती है बल

दाज्यू, आयोध्या राम मन्दिर के आयोजन के लिये बिल्लू और गोधन कई दिन पहले जत्थे के साथ चले गये थे लेकिन शिवसिंह गाँव में लट्ठ लेकर घूम रहा है। उनका कहना है- 'गाँव के देवता भी खुश रखने हैं।' दाज्यू, शिव दा की बात ठीक भी है। जब ढोल बजता है डंगरिया नाचने वाले ठैरे। अयोध्या का बड़ा आयोजन है हर कोई अपनी-अपनी ओर से जुटा है। घर गाँव के द्याप्ताथानों की सुध भी लेनी होती है। छल-छद्म दूर करने वाले देवता, पशुओं की रक्षा करने वाले देवता, आनाज की रक्षा करने वाले देवता, आपदा से बचाने वाले देवता, कुल की रक्षा करने वाले देवता.....बहुत ही हैं। राम जी तो अन्तर्राष्ट्रीय भगवान ठैरे।

दाज्यू, मन तो हमारा भी अयोध्या को जा रहा है लेकिन भीड़ को देख रुक गये हैं। राम जी ने चाहा तो फिर जरूर इच्छा पूरी होगी। अपने मोहल्ले में ही दीप जलाकर प्रसाद बंटावा दिया है। दाज्यू, हमारी समझ नहीं आ रहा है एक ओर अयोध्या का इतना बड़ा आयोजन चल रहा है दूसरी ओर खबद्ड्योव मची हुई है। हल्द्वानी के मुखानी क्षेत्र में प्रापर्टी डीलर पर चाकू घोपते हुए हमला हुआ बल। आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज हुआ है। कमिश्नर दीपक रावत दबादब छापेमारी कर रह हैं। नैनीताल में झील किनारे एक बड़े रेस्टोरेंट में भी वह पहुँच गये। वहाँ दाल में कीड़े और सब्जी तिलचट्टे मिलने पर चालान काटा गया बल। दाज्यू, राजकाज में बहुत कुछ हो रहा है। प्रदेश के भाजपा अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट ने पार्टी के पूर्व विधायक कुंअर प्रणव चैम्पियन को कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया। चैम्पियन पर पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और पार्टी विधायक मदन कौशिक के खिलाफ बयानबाजी का आरोप है। पार्टी और नेताओं की पूछो मत। उत्तराखण्ड क्रान्तिदल में कपरवाण गुट फिर से दल में वापस हो गया। इस गुट के अध्यक्ष शक्तिशैल कपरवाण को पहले की तहत दल का संरक्षक और मार्गदर्शक बोर्ड का अध्यक्ष बना दिया गया है बल।

सरकार ने राज्य के स्कूलों में महीने के एक दिन 'फ्री बैग डे' का एलान कर दिया है। दाज्यू, हमारी ओर से तो हर दिन बस्ता-फ्री होना चाहिये। बेचारे छोटे छोटे भव्वा कई किलो के पिट्ठू लादकर स्कूल में जाते हैं। पढ़ाई आप जानने ही वाले ठैरे.....। पढ़ाई में अब रखा भी क्या है? जो पढ़ाओ वही पढ़ाई हुई।

लदाई के इस खेल में बड़े-बड़े हैरान हैं। काशीपुर बिजली विभाग के अधिशासी अभियन्ता को रजिस्ट्री भेज 50 लाख की रंगदारी मांगी है। पीड़ित ने अपनी और परिवार ही हिफाजत के लिये पुलिस से गुहार लगा रखी है। दाज्यू, स्याल्दे में एक सिरफिरे ने मरीज को उतार उतारकर लौट रही 108 एम्बुलेंस में तोड़फोड़ कर दी और चालक को भी पीट दिया। किसी तरह जान बचाकर भागे चालक ने अगले दिन देघाट थाने में तहरीर दी। चम्पावत जिले के मंच तामली के मण्डल अध्यक्ष पद पर कैलाश बोहरा को नियुक्त कर दिया है। पूर्व मण्डल अध्यक्ष को दुष्कर्म के आरोप में बाहर करना पड़ा था। -तुम्हारा भुली झकरुवा

हल्द्वानी में अतिक्रमण को उधेड़ने के लिये पहले सरकारी अतिक्रमण पर चला बुल्डोजर

हल्द्वानी। शहर में गहरी पकड़ कर चुके अतिक्रमण को जड़ से उखाड़ना कठिन है लेकिन फिलहाल जिस प्रकार का अभियान दिखाई दे रहा है उससे लगता है कि अतिक्रमण को उधेड़ने के लिये पहले सरकारी अतिक्रमण पर बुल्डोजर चल चुका है ताकि कोई जोर से न बोले। शहर में स्टेडियम, अस्पताल, बैंक की चाहर-दीवारी को रात में बुल्डोजर से गिरा दिया गया। साथ ही अतिक्रमण वाले स्थानों को चिन्हित करते हुए व्यापारियों को बात करने का अवसर दिया गया। प्रशासन ने कहा कि किसी को कुछ कहना है तो वह मौखिक या लिखित में कह सकता है। बैठक में प्रशासन और व्यापारियों के बीच बात नहीं बन सकी। नैनीताल-बरेली रोड चौड़ीकरण को लेकर अभियान देखते हुए लम्बे समय से रह रहे लोग भी घबरा चुके हैं। व्यापारियों ने काले झण्डे लगाकर विरोध भी जताया।

असल में सिकुड़ चुके शहर को फैलाने के लिये प्रशासन ने जिस प्रकार से रणनीति बनाकर कार्य को अंजाम दिया है उससे यह तो तय हो चुका है कि सड़कें चौड़ी होकर रहेंगी। रात्रि में तमाम अधिकारियों के साथ टीम जाकर जिस प्रकार से अतिक्रमण हटा रही है, इससे स्पष्ट है कि अब कोई बहाना नहीं चलेगा। ऐसे में कई दुकान, मकान, धर्मस्थल, स्कूल सब आ जाएंगे जो सड़क के करीब हैं।

सड़क चौड़ीकरण व चौराहों के सौन्दर्यीकरण के लिये जिस प्रकार की योजना बन चुकी है उससे यह पहले ही अंदाजा हो चुका है कि हल्द्वानी शहर का हुलिया बदलेगा क्योंकि बढ़ते जा रहे जन दबाव में यह जरूरी हो गया है। इसलिये शहरवासियों को इसके लिये तैयार हो जाना चाहिये। इसके अलावा दूर-दराज जो अतिक्रमण बचे हुए हैं वह भी बाद में हटने ही हैं।ò

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

उत्सव

मुखौटा नृत्य है हिलजात्रा

डॉ.हरीश चन्द्र अण्डोला

हिलजात्रा का शाब्दिक अर्थ कीचड़ का खेल है। हिल का शाब्दिक अर्थ दलदल यानि पानी वाली दलदली भूमि और जात्रा का अर्थ खेल, तमाशा या यात्रा है। जिसका सीधा तात्पर्य पानी वाले दलदली भूमि में की जाने वाली खेती और खेल का मंचन है। यह उत्सव वर्षा ऋतु की समाप्ति और शरद के आगमन से कुछ पूर्व मनाया जाता है। हिमालयी राज्यों में सिक्किम, लेह लद्दाख, अरुणाचल प्रदेश, नेपाल, तिब्बत के अलावा चीन जापान और भूटान में भी मुखौटा नृत्य की परम्परा है। नेपाल में हिलजात्र को इंदर जात्रा के नाम से जाना जाता है। पिथौरागढ़ जिले में सातू आंठू पर्व की समाप्ति के बाद इसे मनाया जाता है। इस पर्व तो माता सती का पर्व भी माना जाता है। जिसे कृषि पर्व के रूप में जाना जाता है। पिथौरागढ़ के सोर घाटी में पूर्व में पूरा जनजीवन कृषि पर केन्द्रित था। उसी परिवेश के क्रियाकलापों का कला के रूप में प्रदर्शन हिलजात्रा में किया जाता है। यह उत्तराखण्ड की एक विशिष्ट लोक नाट्य शैली है। मुखौटों के साथ होने वाले इस उत्सव में लोक जीवन के साथ आस्था और हास्य भी है। मुख्य पात्रों की भूमिका पुरुष निभाते ही निभाते हैं। लखिया भूत इस उत्सव का मुख्य पात्र है। जो भगवान शिव का 12वां गण है। उसके मैदान में आते ही पूरा उत्सव आस्था में बदल जाता है। लखिया धन, धान्य और सुख समृद्धि का आशीर्वाद देता है।

उत्तराखण्ड के पिथौरागढ़ जिले की सोर घाटी का प्रसि हिलजात्रा उत्सव कुमौड़ के हिलजात्रा मैदान में होता है। कृषि पर आधारित इस उत्सव को देखने के लिए हर साल हजारों की संख्या में लोग जुटते हैं। इस ऐतिहासिक मैदान में लखिया के अलावा गल्या बैलों की जोड़ी, एकल्वा बैल, हलिया, किसान, पुतारियां बने पात्र प्राचीन परम्परा और संस्कृति को बेहद खूबसूरत ढंग से प्रस्तुत करते हैं। मुखौटा नत्य पर आ ारित हिलजात्रा सोरघाटी की पहचान बन चुकी है। आज से 36 वर्ष पहले सोरघाटी के लोक परम्परा की सम्वाहक हिलजात्रा का दिल्ली दूरदर्शन से प्रसारण हुआ तो इस लोक उत्सव को देशभर में प्रसिद्धि मिली। खास बात यह है कि इस लोकनाट्य परम्परा को बड़े स्तर के सांस्कृतिक आयोजनों में पाँच बार पहला स्थान मिल चुका है। मुखौटा नृत्य पर आधारित यह लोकोत्सव सोरघाटी की पहचान बनता जा रहा है। हिलजात्रा को राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्धि देने का श्रेय विख्यात रंगकर्मी स्व. मोहन उप्रेती को जाता है। 1983 में दूरदर्शन से जब इस लोक परम्परा का प्रसारण हुआ तो पर्वतीय कलाकार संघ ने दिल्ली में इसका मंचन किया। उस मंचन में अल्मोड़ा के रंगकर्मी स्व. ब्रजेन्द्र लाल शाह और प्रसिद्ध रंगकर्म पूर्व विधायक स्वर्गीय हीरा सिंह बोरा ने भी पात्र की भूमिका निभाई थी। 1996 में रामनगर में हुए पर्वतीय सांस्कृतिक महोत्सव में हिलजात्रा को पहला स्थान मिला। उसके बाद जमशेदपुर, सूरजकुण्ड, टिहरी, दिल्ली में हिलजात्रा का मंचन हुआ और हर बार हिलजात्रा को पहला स्थान मिला। पिथौरागढ़ का नवोदय पर्वतीय कला केन्द्र देश के विभिन्न शहरों में 21 बार हिलजात्रा का मंचन कर चुका है। 1999 में दिल्ली में हिलजात्रा का मंचन किया गया। तब कुमौड़ गाँव के यशवन्त महर, कुण्डल महर, जीवन महर और अर्जुन सिंह महर ने पात्रों की जीवन्त भूमिका निभाई थी। राज्य आन्दोलनकारी गोपू महर कहते हैं कि समय में आए बदलाव के बावजूद हिलजात्रा का वही प्राचीन स्वरूप कायम है। हिलजात्रा लोकनाट्य परम्परा है। कृषि से जुड़े इस उत्सव में एक ओर मध्य हिमालयी क्षेत्र के मुखौटा नृत्य का प्रदर्शन होता है तो दूसरी ओर देश के अन्य हिस्सों में प्रचलित जात्रा परम्परा का भी समावेश है। पहले जब लोगों के पास मनोरंजन के अन्य साधन नहीं थे, तब ऐसे लोकोत्सवों में जन भागीदारी बहुत ज्यादा होती थी। जानकार बताते हैं कि कुमौड़ और पिथौरागढ़ जिले के तमाम गाँवों में यह परम्परा दो सौ साल से चली आ रही है। नेपाल और उत्तराखण्ड की सीमा ही नहीं, बल्कि यहाँ के लोगों के दिल भी एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। नेपाल भले ही एक अलग देश हो, लेकिन आज भी एक छोटा नेपाल उत्तराखण्ड में बसता है। पिथौरागढ़ जिले में हर साल ये छोटा नेपाल देखने को मिलता है।

कोई व्याह करा दे

पहाडों पर अब विपदा दिख रही
कुवारे रह रहे छोरे शादी कठिन हो रही
कोई करा दे व्याह मेरा, लड़के कह रहे
भरी जवानी बेकार, अकेले बिता रहे।
बीसवीं सदी के आखिरी दौर का
असर अब है दिख रहा
बेहिसाब कन्या भ्रूण हत्या का
पहाड़ दंश है झेल रहा।
नारी सशक्तिकरण शिक्षा जागरूकता
और घट रही जन्म दर
विषम अनुपात नर-नारी का
ऊपर से पलायन का असर।
आज शिक्षा लेकर हर लड़की
अपने पैरों पर खड़ा होना चाह रही
शादी कर घर बसाना
बाद की बात बन रही।
घरेलू कामों से मुक्त होऊं
मैं भी अच्छी नौकरी पाऊँ
लड़की हूँ तो क्या हुआ?
कुछ करके मैं भी दिखलाऊँ।
सोच ऐसी रखकर कन्याएँ
व्याह से विरक्त हो रहीं
कैरियर बना लूं पहले
अति उत्साही बन रहीं।
शर्तें रख रहे भारी लड़की वाले
सरकारी नौकरी हल्द्वानी में मकान
व्याह होते सीधे जाएगी भावर
पहाड़ पर नहीं करेगी काम।
आज के समय में सरकारी सेवा पाना
आसमान के तारे गिनने जैसा है
जो कोई पा गया सौभाग्य से तो
खुद ही लड़की ढूंढ लेता है।
जो लव मैरिज के चक्कर में हैं
उनकी ही बल्ले-बल्ले हो रही
बिना लाग लपेट के लड़के को
मनमाफिक ललना मिल रही।
भटक रहे सीधे- साधे लड़के
माँ -बाप रीति रिवाज मानने वाले
कर रहे हैं जो प्राइवेट नौकरी या धन्धा
तरस रहे हैं लड़कियों को पाने।
भला हर एक को कहाँ सरकारी नौकरी
मिल सकती है? सोचो जरा
हर परिवार हल्द्वानी बस जाए
ऐसा भी सम्भव नहीं भुला।
लव मैरिज सफल ही होंगे सदा
ऐसी भी कोई गारन्टी नहीं
नेक मेहनतकश लड़का
किसी देवता से कम नहीं।
समय से शादी भी है जरूरी
ताकि गृहस्थी ठीक टाइम से बस जाए
यदि योग्यता है लड़की में तो
शादी के बाद भी उच्च पद हैं कई ने पाएं।

-दीवान सिंह कठायत

ज्योतिष की बातें - 162

इस सप्ताह चन्द्रमा के अतिरिक्त अन्य किसी भी ग्रह का राशि परिवर्तन नहीं हो रहा है । पूरे सप्ताह शनि मूल त्रिकोणराशि कुम्भ में, मंगल व गुरु मित्रराशि धनु व मेष में, बुध व शुक्र दोनों समराशि धनु में तथा सूर्य शत्रुराशि मकर में यथावत् गोचर करते रहेंगे। चन्द्रमा इस सप्ताह वृषभ, मिथुन, कर्क व सिंह राशि में क्रमशः गोचर करेगा।

इस स्थायी स्तम्भ के अन्तर्गत जो ग्रहों का गोचरफल किया जाता है, वह वास्तव में उस ग्रह पर ही निर्भर होता है। व्यक्ति विशेष के लिए सूक्ष्म विश्लेषण उसकी जन्मकुण्डली, महादशा आदि पर निर्भर करता है। प्रायः ऐसा देखा जाता है कि व्यक्ति विशेष का कोई दिन बहुत अच्छा निकलता है तो कोई दिन बहुत खराब रहता है। यह वास्तव में उस दिन चन्द्रमा की राशि व नक्षत्र संचार के अनुसार ही घटित होता है ।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

सम्यक् विचार- 53

ग्राहकवाद और उपभोक्तावाद

आजकल सम्पूर्ण विश्व में उपभोक्तावाद फैला हुआ है, जो भारतीय संस्कृति से सम्बन्धित ग्राहकवाद से सर्वथा भिन्न है। ग्राहकवाद में व्यक्ति उतना ही समान बाजार से खरीदता है जितनी कि उसकी आवश्यकता है लेकिन उपभोक्तावाद में व्यक्ति उतने प्रकार का सामान बाजार से खरीदता है जितने प्रकार का बाजार में बिकता है। ग्राहकवाद में व्यक्ति की आवश्यकता के अनुसार वस्तुओं का उत्पादन और विक्रय होता है जबकि उपभोक्तावाद में ऊटपटांग वस्तुओं का उत्पादन करके उनके प्रति जनता में आवश्यकता और आकर्षण पैदा किया जाता है। उपभोक्तावाद में परम्परागत प्रचलित वस्तुओं के नुकसान बताकर उनके प्रति घृणा पैदा की जाती है और नई उत्पादित वस्तुओं को लाभदायक बताकर उनके प्रति आकर्षण पैदा किया जाता है। उपभोक्तावाद के कारण व्यक्ति बाजार में, मॉल में जाकर इतनी अधिक वस्तुओं को खरीदता है कि उनमें से 50-60 प्रतिशत वस्तुएँ तो कभी उपयोग में ही नहीं आ पातीं। प्रत्येक घर में अधिकांश वस्तुएँ ऐसी भरी पड़ी है जो वर्ष में एक बार अथवा कभी भी उपयोग में न आयी हैं, न आएंगी। भारतीय संस्कृति में आवश्यकता से अधिक वस्तुओं का संग्रह सर्वथा अनुचित बताया गया है। अन्ततः इन अनावश्यक वस्तुओं से पर्यावरण को हानि ही पहुँचती है और वह प्रदूषण अन्ततोगत्वा स्वास्थ्य का नाश ही करता है। अतः उपभोक्तावाद का त्याग कर ग्राहकत्व को स्वीकार करें।

-सरल

रंल्वो ज्या साहित्य उत्सव

धारचूला। रं भाषा की लिपि निर्माण को गठित नन्दन न्यास के संस्थापक स्व. नवराम सिह लाला के जन्मदिवस 10 जनवरी से शुरु हुए रं भाषा दिवस के कार्यक्रमों व रंल्वो ज्या साहित्य उत्सव का युवा सम्वाद के साथ समापन हुआ। रं संग्रहालय में मुख्य अतिथि नन्दन व्यास, अध्यक्ष कृष्ण गर्ब्याल, केन्द्रीय अध्यक्ष करन करन गर्ब्याल, महासचिव धीरेन्द्र दताल, नर सिंह नपलच्याल, संरक्षक विशन बोनाल, मुख्य संरक्षक नृप सिंह नपलच्याल, अमृता ह्यांकी ने दीप दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। कार्यक्रम में रं भाषा लिपि पर अपने विचार रखने के साथ ही किये गये कार्यों की समीक्षा की गई।

उत्सव में प्राचीन चीन से होने वाले तकलाकोट व्यापार के बन्द होने पर चिन्ता व्यक्त की गई। इस अवसर पर लोकगीत, लघु कहानी वाचन व पुस्तक चर्चा हुई। कार्यक्रम में रं कल्याण संस्था धारचूला के अध्यक्ष दीपक रोंकली, महासचिव दिनेश दलाल, राजन नबियाल भी थे।

हल्द्वानी अतिक्रमण हटाओ अभियान

कोर्ट का आदेश, व्यापारियों में हड़कम्प

हल्द्वानी। सड़क चौड़ीकरण को लेकर उच्च न्यायालय ने सीधा सा आदेश किया है कि राजनीतिक दबाव में किसी को न छोड़ा जाए। सरकारी भूमि पर जिसके भी अतिक्रमण हैं हटें, इससे व्यापारियों में हड़कम्प मचा है। हाईकोर्ट ने कहा कि जनसुनवाई कर निजी सम्पत्ति से अतिक्रमण हटाएं। असल में अतिक्रमण हटाओ अभियान में शुरुआत सरकार सम्पत्तियों पर तोड़फोड़ से हुई, ऐसे में सवाल उठने लगे कि खास लोगों को क्यों छोड़ा जा रहा है।

हालांकि यह तो तय हो चुका था कि अब कोई अतिक्रमणकारी बच नहीं पायेगा। फिर भी रास्ता तलाशते व्यापारियों ने प्रदर्शन कर अपनी कोशिशें कर ली हैं। प्रदर्शनकारियों ने नगर निगम के निवर्तमान मेयर जोगेन्द्र रौतेला के आवास में जाकर भी बात की। इसके बाद व्यापारियों ने संयुक्त व्यापारी संघर्ष समिति गठित कर आन्दोलन जारी रखने की बात की।

प्रान्तीय उद्योग व्यापार मण्डल ने जिला प्रशासन से मांग की है कि सड़क चौड़ीकरण की जद में आ रहे सभी व्यापारियों के प्रतिष्ठान के अधिग्रहण से पहले कारोबार के लिये जगह उपलब्ध करवाएं। देवभूमि व्यापार मण्डल ने भी व्यापारियों के पक्ष में आन्दोलन की बात कही है।

दूसरी ओर प्रशासन की रणनीति देख लग रहा है कि वह अपनी कार्रवाई जारी रखेगा। बताया गया है कि बेस अस्पताल का आईसीयू भी शिफ्ट किया जाएगा। इसी प्रकार मंगल पड़ाव में नगर निगम की पुरानी दुकानों को तोड़कर बहुमंजिला शॉपिंग काम्पलेक्स बनाने की तैयारी है।

ठूलीगाड़ में बनेगा हेलीपैड

टनकपुर। पूर्णागिरी क्षेत्र के ठूलीगाड़ में हेलीपैड बनाया जायेगा। चूका क्षेत्र दूर होने के कारण हेलीपैड की लोकेशन बदली गई है। पहले चूका में हेलीपैड के लिए 65 हेक्टेयर भूमि चयनित की गई थी, जिसे अब बदल दिया गया है। ठूलीगाड़ में हेलीपैड बनने के बाद यहाँ धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी की घोषणा में शामिल हेलीपैड योजना का शीघ्र ही विस्तार होने जा रहा है। सीएम ने पिछले साल पूर्णागिरी मेले के उद्घाटन पर इसकी घोषणा की थी।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

श्रीराम धर्मशक्तू को भारत गौरव सम्मान

मुनस्यारी। मल्ला जोहार विकास समिति के अध्यक्ष श्रीराम सिंह धर्मशक्तू को भारत गौरव सम्मान मिलने से क्षेत्र में खुशी है। आईपीडीआर ने उनके उत्कृष्ट कार्यों को देखते हुए यह सम्मान दिया। श्री धर्मशक्तू हमेशा निस्वार्थ रूप से सीमान्त क्षेत्र की समस्याओं को लेकर आवाज उठाते रहे हैं और न्याय की लड़ाई में अग्रणीय रहते हैं।

गणतंत्र दिवस में दिखेगी हिलजात्रा

पिथौरागढ़। इस बार गणतंत्र दिवस की राजपथ पर होने वाली परेड में हिलजात्रा दिखाई देगी। हिलजात्रा को दूसरी बार ऐसा मौका मिला है कि वह राजपथ पर अपनी प्रस्तुति दे सके। बताया गया है कि आठ सदस्यीय महिला दल इसकी प्रस्तुति देगा। इसके लिये दिल्ली पहुँचकर अभ्यास भी किया गया है।

अशासकीय शिक्षकों को भी सुविधा

देहरादून। शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत ने उत्तराखण्ड माध्यमिक शिक्षक संघ के 15वें प्रान्तीय सम्मेलन में कहा कि राजकीय शिक्षकों की तरह अशासकीय विद्यालयों के शिक्षकों को भी सुविधाएं दी जाएंगी। संगठन द्वारा उन्हें 22 सूत्रीय मांग पत्र भी सौंपा गया है। उन्होंने यह भी बताया कि प्रधानाचार्य के 692 पदों पर विभागीय भर्ती होगी।

बाराकोट मार्ग पर अतिक्रमण हटाया

लोहाघाट। हाईकोर्ट द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग और राज्यमार्ग पर किए गए अतिक्रमण को हटाने के निर्देश पर लोनिवि ने सक्रिय होकर पुलिस व प्रशासन के सहयोग से बाराकोट-लोहाघाट राज्य मार्ग पर पाटन पुल से लेकर गलचौड़ा तक बुल्डोजर के द्वारा अतिक्रमण हटाया। विभाग ने लोहाघाट क्षेत्र में कुल 223 अतिक्रमण चिन्हित किये हैं। राज्य हाईवे 57 में 186 अतिक्रमण चिन्हित हैं, जिन पर कार्रवाई हो रही है।

पूर्णागिरी रोपवे निर्माण कार्य शुरू

टनकपुर। पूर्णागिरी में रोपवे निर्माण का कार्य शुरू हो चुका है। बताया जा रहा है कि रोपवे निर्माण के लिये पहले अस्थायी तौर पर सामग्री रोपवे तैयार किया जायेगा। जरे आगामी 8 सप्ताह में रोपवे तैयार कर लिया जाएगा। इससे रोपवे निर्माण में आसानी होगी। करीब दस साल बाद रोपवे निर्माण का यह कार्य शुरू हुआ है।

रेल से जुड़ेगा मानसखण्ड कॉरिडोर

मानसखण्ड मन्दिर माला मिशन कॉरिडोर से जुड़े मन्दिरों तक पहुँचने के लिये रेल नेटवर्क को मजबूत किया जायेगा। इसी क्रम में 15 अप्रैल से कोलकत्ता से टनकपुर रेल सेवा शुरू करने पर विचार है।

६ माह में होंगे नगर निकाय चुनाव, उम्मीदवार सक्रिय हैं

इन दिनों अधिकतर कसरत लोकसभा चुनाव की हो रही है लेकिन यह तय हो चुका है कि 6 माह में नगर निकाय चुनाव भी हो जाएंगे, ऐसे में उम्मीदवार एकदम सक्रिय हैं।

असल में उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय में राज्य में समय पर निकाय चुनाव नहीं कराने को लेकर दायर अलग अलग जनहित याचिकाओं में सचिव शहरी विकास नितिन भदौरिया हाजिर हुए और न्यायालय को आश्वस्त किया कि 6 महीने के भीतर राज्य में नगर निकाय चुनाव करा लिए जाएंगे। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनोज कुमार तिवारी और न्यायमूर्ति विवेक भारती शर्मा की खण्डपीठ ने सचिव के बयान रिकॉर्ड करने के साथ ही दोनों याचिकाओं को लम्बित रख दिया है और इस मामले में अगली सुनवाई 16 अप्रैल के लिये तय की है। जसपुर निवासी मो.अनीश व अन्य ने उच्च न्यायालय में पीआईएल करते हुए कहा कि नगर पालिकाओं और नगर निकायों का कार्यकाल 2 दिसम्बर को समाप्त हो गया था, लेकिन एक माह बीत जाने के बाद भी सरकार ने चुनाव कराने का कार्यक्रम घोषित नहीं किया, उल्टा निकायों में अपने प्रशासक नियुक्त कर दिये। प्रशासक नियुक्त होने की वजह से आमजन को कई दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासक तक नियुक्त किया जाता है जब कोई निकाय भंग की जाती है। उस स्थिति में सरकार के भीतर चुनाव कराना आवश्यक होता है।

कहा कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव निर्धारित समय से होते हैं लेकिन निकाय चुनाव समय में क्यों नहीं होते। नियमानुसार निकायों के कार्यकाल का कार्यक्रम घोषित हो जाना था, जो अभी तक नहीं हुआ।

यह भी बताते चलें कि निकाय चुनावों को लेकर पार्टी और निर्दलीय प्रत्याशियों की चर्चाएं होने लगी थीं लेकिन इस बीच लोकसभा चुनाव की सरसराहट होते ही बड़े नेताओं की चर्चा होने लगी। इन चर्चाओं में स्थानीय निकाय के लिये मन बना चुके नेताओं को लोकसभा चुनाव में बड़े नेताओं के साथ अपना तालमेल बनाते देखा जा सकता है। फिर भी नगर निकाय चुनाव के लिये ज्यादातर की कोशिश है कि वह पार्टी के प्रत्याशी घोषित हो जाएं। इसमें भाजपा-कांग्रेस की ओर से स्थानीय स्तर पर नामों के साथ गुटबाजियां भी दिखाई दे रही हैं।

न्यायालय में यह स्पष्ट होने के बाद कि 6 माह में निकाय चुनाव भी हो ही जाएंगे, सम्भावित उम्मीदवारों की सक्रियता बढ़ चुकी है।

अंकिता हत्याकांड पर कांग्रेस का प्रदर्शन

अंकिता भण्डारी हत्याकाण्ड पर कांग्रेस ने प्रदेशभर में प्रदर्शन करते हुए मोर्चा खोल रखा है। माता-पिता द्वारा अंकिता की हत्या मामले में वीआईपी के नाम की पहचान करने के बावजूद कोई कार्रवाई न करने तथा रिसोर्ट पर तत्काल जीसीबी चलाये जाने वाले लोगों पर भी कोई कार्रवाई न होने के विरोध में देहरादून, हल्द्वानी सहित जगह-जगह विरोध प्रदर्शन किया है।

भूकानून को लेकर संगठन मुखर

मूल निवास 1950 व भू कानून को लेकर तमाम संगठन मुखर हैं। पहाड़ी आर्मी, उत्तराखण्ड संगठन, उत्तराखण्ड क्रान्ति दल, स्वराज हिन्द फौज, बन्देमातम् ग्रुप, व्यापार मण्डल सहित कई संगठनों द्वारा हल्द्वानी में बैठक करते हुए प्रदेश के हक-हकूक की लड़ाई में पीछे नहीं हटने की बात कही। कहा गया कि 28 जनवरी को हल्द्वानी में विशाल प्रदर्शन किया जायेगा।

बीआरओ द्वारा गुंजी, कालसी, टनकपुर, घनसाली, नाबीढांग में एयरफील्ड विकसित करने की योजना

देहरादून। बीआरओ द्वारा उत्तराखण्ड में 5 एयरफील्ड विकसित करने की योजना है। इनमें गुंजी, कालसी, टनकपुर, घनसाली, नाबीढांग हैं।

बीआरओ के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल रघु श्रीनिवासन ने मुख्यमंत्री पुष्कर धामी से सचिवालय में इस सम्बन्ध में भेंट की और बीआरओ द्वारा पिथौरागढ़ के बलुआकोट से तवाघाट और लिपुलेख से लोलिंगकोंग सड़क मार्ग की कार्यवाही की जानकारी के बारे में बताया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले समय में आदि कैलास और पार्वतीकुण्ड आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में तेजी से वृद्धि होगी। राज्य में श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को दृष्टिगत राज्य सरकार आगामी पचास सालों की व्यवस्थाओं को ध्यान में रखते हुए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि बीआरओ द्वारा राज्य में किये जा रहे कार्यों में तेजी लाने के लिये राज्य सरकार द्वासरा पूरा सहयोग दिया जायेगा।

महानिदेशक बीआरओ रघु श्रीनिवासन ने बताया कि 5 एयरफील्ड गुंजी, कालसी, टनकपुर, घनसाली, नाबीढांग को विकसित करने की योजना बनायी जा रही है। उन्होंने सीएम से यह भी अनुरोध किया कि जोशीमठ से औली सड़क मार्ग जिसकी लम्बाई 13.40 किमी. है उसके 2. 25 किमी. पर भारतीय सेना द्वारा रखरखाव किया जा रहा है। उन्होंने सामरिक महत्व के इस मार्ग के अवशेष भाग के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य लोनिवि के स्थान पर बीआरओ को हस्तान्तरित कर दिये जाने की बात रखी। इसी प्रकार जोशीमठ के बड़गांव के हनुमान शिला से औली के लिये 15 किमी. वैकल्पिक मार्ग के निर्माण को भी बीआरओ को सौंपने को कहा। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी भी उपस्थित थीं।

परिक्रमा

आवासीय नक्शे पर होटल चलाने पर डंडा

भीमताल। आवासीय नक्शे पर चल रहे होटलों पर जिला विकास प्राधिकरण की टीम ने छापेमारी कर कार्रवाई की है। प्राधिकरण के पास इस प्रकार की शिकायत हुई थी, जिस पर प्रशासन सख्त हुआ है। दूसरी ओर डीडीए का ऑनलाइन नक्शा पास कराने का पोर्टल कई दिनों से धीमा भी चल रहा है।

रामनगर-शंकरपुर टू लेन होगा हाईवे

रामनगर। रामनगर से मरचूला शंकरपुर तक टू लेन हाईवे निर्माण की डीपीआर तैयार करने के लिये 52 लाख रुपये का बजट मंजूर हो गया है। इस हाईवे के बनने से कुमाऊँ और गढ़वाल मण्डल के बीच पहाड़ का सफर आसान हो जाएगा। नेशनल हाईवे पर रामनगर से लेकर शंकरपुर तक 42 किमली हाईवे में दस हजार से अधिक वाहनों का दबाव है। पर्यटन की दृष्टि से भी हाईवे जरूरी है।

नजूल भूमि फ्रीहोल्ड की अवधि बढ़ी

देहरादून। सरकार ने नजूल भूमि पर काबिज उन परिवरों को राहत दी है जो इसे फ्रीहोल्ड नहीं करा पाए हैं। कैबिनेट में राज्य में लागू नजूल भूमि 2021 को यथावत रखते हुए इसकी अवधि बढ़ाने पर बात बनी। इस नीति की अवधि पिछले वर्ष 11 दिसम्बर को समाप्त होने के बाद इसे आगे बढ़ाने की मांग उठ रही थी। कैबिनेट ने राज्य में प्रस्तावित नजूल भूमि प्रबन्धन, व्यवस्थापन एवं निस्तारण अधिनियम 2021 के अन्तर्गत नियमावली लागू होने तक इस नीति में संशोधन करते हुए नजूल भूमि 2009 की व्यवस्था अनुसार प्रचलित सर्किल राशि राज्य कोषागार में जमा करने का प्राविधान शामिल किया है। पहले 35 प्रतिशत सर्किल दर पर 5 प्रतिशत स्वमूल्यांकन की राशि राजकोष में जमा करने का उल्लेख था। कैबिनेट के नजूल नीति को फिलहाल यथावत रखने के फैसले से राहत मिली है।

कैंट बोर्ड के नागरिक क्षेत्र निकाय में

उत्तराखण्ड के सात कैंट बोर्ड के नागरिक क्षेत्र जल्द नगर निकाय में शामिल हो सकते हैं। राज्य कैबिनेट ने इस पर अपनी सैद्धान्तिक सहमति दे दी है। इन सात छावनी परिषदों में लंढौर व चकराता शामिल नहीं हैं। प्रदेश में नौ कैंट बोर्ड हैं। इनमें देहरादून, क्लेमेनटाउन, लंढौर, रानीखेत, अल्मोड़ा, नैनीताल व रुड़की आदि शामिल हैं। कैंट के शिविल क्षेत्र में बड़ी आबादी निवास करती है लेकिन कैंट बोर्ड के पास सीमित संसाधन व कम बजट होने कारण इनकी इनकी मूलभूत समस्याओं का त्वरित समाधान नहीं हो पाता है। कैंट बोर्ड को मिलने वाली राशि पर भी लगातार घटोत्तरी हुई है। इसका सीधा प्रभाव विकास कार्यों पर होता है। आय बढ़ाने के साधन भी बोर्ड के पास सीमित हैं।

छावनी परिषद के चुनाव करीब चार साल से नहीं हुए हैं। इनका कार्यकाल 5 साल का होता है। यह कार्यकाल 2020 में पूरा हो गया था। बीते साल चुनाव की अधिसूचना जारी हुई लेकिन कुछ वक्त में ही इसे रद्द कर दिया गया।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

जोहार सहयोग निधि की वार्षिक बैठक में नई कार्यकारिणी का गठन

अल्मोड़ा। जोहार सहयोग निधि अल्मोड़ा का वार्षिक अधिवेशन सहयोग निधि के सभागार में सम्पन्न हुआ। मोहन सिंह मर्तोलिया की अध्यक्षता में बैठक प्रारम्भ करने से पूर्व स्व. उत्तम सिंह जंगपांगी भूतपूर्व अध्यक्ष जोहार सहयोग निधि की प्रतिमा में माल्यार्पण करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की।

अधिवेशन का शुभारंभ/संचालन के लिए जोहार सिंह गनघरिया, सचिव द्वारा राजेन्द्र सिंह दासपा को अधिकृत करने के उपरांत श्री दास्पा द्वारा अधिवेशन में आये सभी पदाधिकारियों, सदस्यों, आमंत्रित अतिथियों का स्वागत किया। करन सिंह मर्तोलिया, सभाध्यक्ष मोहन सिंह मर्तोलिया, मुख्य अतिथि श्रीराम सिंह धर्मशक्तू, विशिष्ट अतिथि देवेन्द्र सिंह धर्मशक्तू, गोविन्द सिंह जंगपांगी, भूपेन्द्र सिंह पांगती, संस्थापक सदस्य सत्यवान सिंह जंगपांगी, त्रिलोक सिंह बृजवाल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर अधिवेशन का उद्घाटन किया।

अधिवेशन के प्रथम सत्र में संचालक द्वारा जोहार सहयोग निधि की वार्षिक रिपोर्ट के अन्तर्गत पुराने निदेशक मंडल/कार्यकारिणी के पदाधिकारियों, सदस्यों के नामों, सहयोग निधि के उद्देश्यों, 31 मार्च 2023 तक के आय व्यय आदि का वाचन किया गया। इसके बाद सहयोग निधि को और बेहतर ढंग से संचालित करने तथा सदस्य संख्या बढ़ाने पर विचार एवं सुझाव आमंत्रित किये गय और नयी कार्यकारिणी से धरातल पर क्रियान्वयन करने की अपेक्षा की गई।

द्वितीय सत्र में नयी कार्यकारिणी के गठन से पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष करन सिंह मर्तोलिया द्वारा पुरानी निदेशक मंडल/ कार्यकारिणी को भंग करने की घोषणा हुई। नए निदेशक मंडल/ कार्यकारिणी की गठन कराने के लिए भूपेन्द्र सिंह पांगती को निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया गया, उनके देख रेख में सर्वसम्मति से निदेशकों/कार्यकारिणी के पदाधिकारियों, सदस्यों का चयन करके गठन किया गया। इनमें देवेन्द्र सिंह धर्मशकतू निदेशक, मोहन सिंह मर्तोलिया निदेशक, भगवान सिंह रावत निदेशक, सत्यवान सिंह जंगपांगी निदेशक के अलावा त्रिलोक सिंह बृजवाल अध्यक्ष, करन सिंह मर्तोलिया व पूरन सिंह पांगती, उपाध्यक्ष, श्रीमती इन्द्रा गनघरिया महिला उपाध्यक्ष, जोहार सिंह गनघरिया सचिव, दिग्विजय सिंह रावत, दिनेश सिंह मर्तोलिया उपसचिव, प्रहलाद सिंह जंगपांगी, कोषाध्यक्ष, गोकर्ण सिंह पांगती सह कोषाध्यक्ष, बेनी सिंह बरफाल आडिटर चुने गये। साथ ही कार्यकारिणी के सदस्य के रूप में चन्द्र सिंह मर्तोलिया, देवराज सिंह मर्तोलिया, मनोहर सिंह निखुर्पा, शंकर सिंह धर्मशक्तू, गौरव सिंह पांगती, प्रहलाद सिंह बृजवाल, केदार सिंह बृजवाल, राजेन्द्र सिंह दास्पा, श्रीमती रुक्मिणी पांगती, कैलाश सिंह रावत, धीरज सिंह मर्तोलिया को सर्वसम्मति से रखा गया। श्रीराम सिंह धर्मशकतू, गोविन्द सिंह जंगपांगी संरक्षक व भूपेन्द्र सिंह पांगती को सर्वसम्मति से सलाहकार नामित किया गया।

अधिवेशन में नन्दन सिंह जंगपांगी, गोकर्ण सिंह पांगती, जोहार सिंह गनघरिया, राजेन्द्र सिंह दासपा, श्रीमती जानकी मर्तोलिया, इंद्रा गनघरिया, पूरन सिंह पांगती, मनोहर सिंह निखुरपा, दिग्विजय सिंह रावत, देवराज मर्तोलिया डा. हरीश आदि अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। अधिवेशन के अन्त में सभाध्यक्ष ने सभी पदाधिकारियों, सदस्यों एवं आमंत्रित अतिथियों का धन्यवाद किया।

उत्सव से ज्यादा भीड़ बटोरने का टोटका

बागेश्वर उत्तरायणी जैसे-तैसे काबू में

संस्कृति के पहरुवे रात के झमाझम को अन्ति सच मान बैठे हैं

बागेश्वर। इस बार उत्तरायणी से लेकर अयोध्या में राम मन्दिर प्राण प्रतिष्ठा आयोजन तक पूरे उत्तराखण्ड में सांस्कृतिक उत्सव के आयोजन की पहले ही घोषणा के अनुरूप कार्यक्रमों को बुना जाने लगा लेकिन इसका सच बेहद कड़वा है। जो दिखाई दे रहा है उसका सच कहना बहुत चुभन दे सकता है। उत्तर की काशी कहे जाने वाले बागेश्वर में इस बार जैसे-तैसे उत्तरायणी को संभाला गया। इसे काबू में करने के लिये प्रशासन ने जो रणनीति बनाई उसमें किसी प्रकार भीड़ जुटाने का इन्तजाम करना भर था। सबसे पहले झूला पुल को लेकर व्यापारियों ने जबर्दस्त प्रदर्शन करते हुए आन्दोलन जारी रखने का निर्णय लिया। आश्वासन के बाद व्यापारी मान गये। फिर उत्तरायणी को लेकर कार्यक्रमों की रूपरेखा बनने लगी जिसमें सांस्कृतिक उत्सव का मायना किसी प्रकार मंच घेरने वालों को बुलाकर निभाना था। चूंकि शासन स्तर से उत्सव के लिये कहा गया है तो पूरा प्रशासन इस बात पर ध्यान लगाने लगा कि किन लोगों को बुलाकर जगमग लाइट में नाच-गाना होगा। निर्णय लेते हुए कार्यक्रम का पोस्टर जारी कर दिया गया। बताया जा रहा है कि हालातों को देख कई कलाकारों ने आयोजन में जाने के निर्णय को बदल दिया। इसके अलावा मेले पर आने वाले व्यापारियों को भी दिक्कत का सामना करना पड़ा।

चूंकि बागेश्वर का कौतिक प्राचीन समय से जारी है, आस्थावान सरयू-गोमती संगम पर डुबकी लगाने आते हैं लेकिन जिस प्रकार की सांस्कृतिक यात्रा का ढिंढोरा पीटा जा रहा है उसमें बागेश्वर नगरी के साथ न्याय नहीं हुआ है। यहाँ पर मामला समेटने की जो प्रक्रिया चल रही है वह सांस्कृतिक के नाम पर फिजूल से ज्यादा कुछ नहीं। इसके लिये बागेश्वर के बुद्धिजीवियों को आगे आना होगा।

मौका भुनाने वाले राम नाम जपने लगे

हल्द्वानी। राम मन्दिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम पर आयोजनों का जलबा सभी जगह रहा है ऐसे में मौका भुनाने वाले राम नाम जपते जपने लगे हैं। हालात यह है कि डीजे के कानफोड़ साउण्ड में थिरकने के आयोजन भी दिखाई दिये। सांस्कृतिक जलसे, जुलसू, समाजसेवा के दूसरे कार्यों में संलग्न बहुतेरे इस मौके पर राम भजन गाते हुए दिखाई दे रहे हैं। सोशल मीडिया पर जबरन गीतों को ठूंस कर सबका ध्यान अपनी ओर करने वाले यूट्बर बेहद सक्रिय हैं। इन सबके पीछे आस्था से ज्यादा लगे हाथों इस्तेमाल करने का खेल दिखाई दे रहा है। स्थिति तो तब और ज्यादा हास्यास्पद दिखाई देने लगी है जब अपने को अलग-थलग महसूस करते हुए वरिष्ठ जन भी ठुमका लगाते हुए सोशल मीडिया पर अपनी करनी को प्रस्तुत करने लगे हैं। मनोविज्ञान कहता है यह सब दिखाने की प्रवृत्ति से जुड़ा मामला है।

निकाय चुनाव के लिये भी बेहद सक्रिय हो चुके हैं नेतागण

गंगोलीहाट, बेरीनाग, कपकोट, बागेश्वर, लोहाघाट, चम्पावत, टनकपुर, द्वाराहाट में ज्यादा गुटबाजी

निकाय चुनाव 6 माह में होने की बात पता चलते ही तैयारी कर रहे नेतागण बेहद सक्रिय हो चुके हैं। हालांकि चैयरमैन बनने के लिये बेताब नेता काफी पहले से ही लोगों के बीच अपनी बात रखने लगे थे। इस समय पिघलता हिमालय की परिक्रमा में पता चला है कि गंगोलीहाट, बेरीनाग, कपकोट, बागेश्वर, चम्पावत, टनकपुर, लोहाघाट, द्वाराहाट में बहुत ज्यादा गुटबाजी है। मुख्य रूप से भाजपा-कांग्रेस के नेता पार्टी टिकट को लेकर उतावले हो चुके हैं। स्थानीय स्तर पर अपने समर्थकों के साथ विधायक या किसी बड़े नेता के सहारे बात-व्यवहार बढ़ाने पर जुटे हैं। टिकट न मिलने पर निर्दलीय तैयारी की बातें भी हो रही हैं।

नगर निगमों में चुनाव के लिये यही रणनीति और बड़े स्तर की दिखाई दे रही है। हल्द्वानी नगर निगम के लिये दर्जनभर नाम सुनाई देने लगे हैं। काशीपुर, रुद्रपुर, दून, हरिद्वार जैसी सीटों के लिये निकाय का महासंग्राम भी इस बार कम रोचक नहीं होगा।

नगर पालिका, पंचायत के लिये नये चेहरे भी इस बार उतावले हैं। गंगोलीहाट में मुकेश रावल, नारायण सिंह बोहरा, हरीश धानिक, विमल रावल, भूपाल आर्या, राजेन्द्र धानिक सहित तमाम नामों की हवा बनी हुई है। पार्टी से कौन टिकट पाएगा यह बाद की बात है। इसी प्रकार बेरीनाग में हेम पन्त, डीएल साह, धीरज बिष्ट, जीवन धानिक, महेश पत, दीपक धानिक सहित कई नामों की हवा है, बात टिकट पर अटकी है।

चम्पावत, लोहाघाट की आड़ी राजनीति में टिकट को लेकर बहुत मंथन होगा। टनकपुर में विपिन कुमार, हर्षबर्द्धन रावत, संजय कुमार, दीप पाठक सहित कई दिग्गजों की चर्चा होने लगी है। द्वाराहाट में स्थानीय स्तर पर बैठकों में चर्चाएं होने लगी हैं। कपकोट और बागेश्वर में कई नाम सुनाई दे रहे हैं लेकिन बड़े नेताओं के संकेत के बाद अधिकतर शान्त हो जाएंगे। रामनगर, कालाढूंगी में निर्दलीय ताकत दिखाने के मूड में हैं।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

हार्दिक शुभकामनाओं के साथ-

गिरीश जोशी

श्रुति निकुंज
चिमसिया
नौला
पिथौरागढ़

धीरु धर्मशक्तू

अध्यक्ष

व्यापार मण्डल जौलजीवी

अनुज मित्तल

मानक चन्द्र
शम्भू दयाल
कोसी रोड,
रामनगर
(नैनीताल)

न तेरा न मेरा Thats

APNA GHAR चौकोड़ी

HOTEL RESTRO BANQUET

मो.- 9458920379, 6396098804

YOGA MEDITATION | LIVE MUSIC | HOMELY FOOD | BIRTHDAY WEDDING

Near by-
(माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)

पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया

Hotel Bala Paradise

Tiksain, Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

Hayat Paradise

Bus Station
Munsiari
Ph. 09411556700, 9997733070

घर से बाहर
घर का सा
होटल लक्ष्य इन
मदकोट
सम्पर्क
7351285555

MARTOLIA FURNITURE

A unit of Martolia Enterprises
Pilikothi, Haldwani
Mob- 8057167777, 7906752084, 8650427229

धमोत होम स्टे

धरमघर/चकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग,माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
मो. 9760007148
www.mountainheights.in

माँ नन्दा आयरन एण्ड बिल्डिंग मैटेरियल, भोटिया पड़ाव, हल्द्वानी

(सीमेन्ट, सरिया, टाइल, पेण्ट, सेनेटरी, हार्डवेयर)
गोदाम- जोहार एसोसिएट्स
बच्चीनगर- 1, कमलुवागांजा, हल्द्वानी
मो.- 7409440813, 7500619761

पूर्ण कालिक
संगीत प्रशिक्षण
केन्द्र
हिमालय संगीत शोध समिति
जे.के.पुरम्, सेक्टर डी
छोटी मुखानी
हल्द्वानी
सम्पर्क- 9411563413

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर

नानासेम, मुनस्यारी

गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स

हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स
फोन सम्पर्क- 05961-222236
8958525979, 9411134775

Enjoy Beauty of Himalaya at

MARTOLIA LODGE

Family Guest House- Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From Home & Home Stay
Phone: (05961) 222287

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, कालाढूंगी रोड, हल्द्वानी (नैनीताल) से मुद्रित।

सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती फोन/फैक्सः (05946) 264013, 9458961490, 9411770280, 9411301014,

editorpighaltahimalay@gmail.com

Website- www.pighaltahimalay.com

पत्र व्यवहार के लिये पते- जे0के0पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल)

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)